>

Title: Regarding the setting up of more sewage treatment plants to contraol pollution of River Ganga.

श्री अर्जुन सिंह (बैरकपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । मैं बैरकपुर क्षेत्र से आता हूं । वहां करीब 33 कि लोमीटर गंगा का बहाव क्षेत्र पड़ता है । मात्र 33 किलोमीटर में ही 120 दूषित नाले गंगा में मिलते हैं, उनका पानी उसमें गिरता है । करीब प्रत्येक दिन 270 से 280 मिलियन लीटर पानी उसमें जाता है । यह महात्मा गांधी जी का स्थान है और ऐतिहासिक रूप से मंगल पाण्डे की कर्मभूमि थी । गांधी जी घाट और मंगल पाण्डे की भूमि दूषित हो रही है । माननीय प्रधान मंत्री जी गंगा के बारे में प्रयत्नशील हैं कि गंगा दूषित न हो । हम लोगों ने देखा है कि बहुत सारे काम भी हो रहे हैं । लेकिन पश्चिम बंगाल में अभी तक नमामि गंगा के प्रोजेक्ट में मात्र तीन एसटीपी मंजूर हुए हैं, जिसमें सिर्फ 150 करोड़ रुपये सैंक्शन हुए हैं । इसमें बैरकपुर क्षेत्र को सम्मिलित नहीं किया गया है । हमारे यहां अंग्रेजों के जमाने से एसटीपी का सिस्टम है और वहां सीवरेज कनैक्शन है । इसकी बहुत जरूरत है, क्योंकि यह इंडस्ट्रियल बेल्ट है, वहां बहुत ज्यादा गंदा पानी जाता है । मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि भारत सरकार इस पर विशेष ध्यान दे ।